कृपया रक्तदान गीत अपनी - अपनी संगतो में सुनाकर संतो को रक्तदान के लिए उत्साह दें।

आओ हम सब मिलकर, मानव धर्म निभायें
देकर अपना खून आज हम इक जीवन को बचाये। दें रक्तदान हम ....(४)

बडा किमती लहू है यह सडकों में बहे क्यों
लहू तो है जीवन, रगो में बहता रहे यूँ
दान सभी से उत्तम है तो रक्तदान है
रक्तदान से बच सकती इंसा की जान है
ना घबराये आगे आये और ये पुण्य कमायें। दें रक्तदान हम ....(४)

रक्तदान से खून हमारा कम न होगा
चौबीस घंटो के भीतर ये फीर से बनेगा
हर ६: महिने बाद दान ये दे सकते हैं
नर हो चाहे नारी, हिस्सा लें सकते है.
ना घबराये आगे आये और ये पूण्य कमाये। दें रक्तदान हम...(४)

१८ से ज्यादा ५५ से उमर हो अगर कम
वजन ५० किलो है और है स्वस्थ अगर हम
कमजोरी और बीमारी भी पास न आयें
भरमों में हम अपने मन को ना उलझायें
ना घबरायें आगे आयें और ये पुण्य कमाये। दें रक्तदान हम....(४)

सद्गुरू ने दे दान खून का यही सिखाया
सारे ही मानव है अपने यह समझाया
देश प्रेम और मानवता की माँग यही है
जो काम आये दूजों के इंसान वही है
ना घबरायें आगे आयें और ये पुण्य कमायें। दें रक्तदान हम....(४)

(तर्ज: छोडो कल की बातें, कल की बात पुरानी....)